न्यूज डायरी

भारत खुद्दार कौम, किसी की जुर्रत नहीं... इमरान खान ने फिर की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के ठीक पहले अवाम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुझे मायूसी हुई। लेकिन, हम कोर्ट के फैसले को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा डिप्टी स्पीकर ने अविश्वास प्रस्ताव को बाहरी मुल्क के हस्तक्षेप के कारण खारिज किया था। सुप्रीम कोर्ट को इतने सीरियस आरोपों की जांच करनी चाहिए थी। कोर्ट कम से कम एक बार सबूतों को देख तो लेता। उन्होंने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि सिर्फ आरएसएस और कश्मीर के कारण हमारे संबंध खराब हैं। भारत खुद्दार कौम है, मुझे वहां बहुत प्यार मिला। उन्होंने रविवार को लोगों से सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने की अपील की। इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान में खुलेआम नेताओं के जमीर खरीदे जा रहे हैं। भेड़ बकरियों की तरह नेताओं को खरीदा जा रहा है। बच्चे–बच्चे को पता है कि नेताओं को खरीदा जा रहा है।

कौन–कौन हैं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की दौड़ में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी संसद में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर थोड़ी देर में मतदान होना है। इस बीच पाकिस्तान के विपक्षी पार्टियों ने दावा किया है कि उनके पास 196 सांसदों का समर्थन है। खुद इमरान खान अवाम को संबोधित करने के दौरान अपनी सरकार की विदाई के संकेत दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि लोग रविवार को सड़कों पर उतरकर विदेश से आयातित सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि मैं अंतिम समय तक हार नहीं मानूंगा और अवाम के साथ संघर्ष करूंगा। इस बीच इमरान खान की सत्ता से विदाई होने के बाद नए प्रधानमंत्री के नाम पर अटकलें लगनी भी शुरू हो गई है। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, अगर इमरान खान अविश्वास प्रस्ताव हार जाते हैं तो नए प्रधानमंत्री का चुनाव भी आज ही किया जाएगा। इमरान खान की सत्ता से विदाई के बाद विपक्ष की तरफ से कई नाम को नए प्रधामंत्री के तौर पर प्रोजक्ट किा जा रहा है।

संसद में बवाल के बीच पाकिस्तानी सेना की चाल, शाहीन–3 मिसाइल का किया टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के विवाद के बीच शाहीन–3 मिसाइल का परीक्षण किया है। शाहीन–3 लंबी दूरी तक सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है। परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता से लैस इस मिसाइल की रेंज 2750 किलोमीटर है। यह दूरी भारत में चेन्नई तक को निशाना बनाने के लिए काफी है। सफल परीक्षण के बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री इमरान खान ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। शाहीन–3 का पहला परीक्षण 9 मार्च 2015 को किया गया था। शाहीन–3 मिसाइल के परीक्षण के दौरान इसकी डिजाइन और तकनीक को टेस्ट किया गया। यह पाकिस्तान की सॉलिड–ईंधन से चलने वाले बैलिस्टिक मिसाइलों में से एक है जो परमाणु हथियार ले जा सकती है।

यूक्रेन युद्ध पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका में कुपोषण का खतरा बढ़ा रहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरूत। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के परिणामस्वरूप खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के चलते पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका में लाखों बच्चों के कुपोषण का खतरा बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने यह कहा। यूनिसेफ ने कहा है कि परिवार रमजान के महीने के दौरान भोजन जुटाने के लिए मशक्कत कर रहे हैं, जब मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखते हैं और सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक कुछ खाते–पीते नहीं हैं। पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका के देश रूस–यूक्रेन युद्ध से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। वहीं, गरीबी और कोरोना वायरस महामारी ने चीजें बदतर कर दी हैं। यूक्रेन और रूस विश्व का एक तिहाई गेहूं और जौ निर्यात करते हैं, जिस पर पश्चिम एशिया के देश अपने लाखों लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए निर्भर हैं।

इमरान खान को वाजपेयी का भाषण क्यों याद दिला रहे पाकिस्तानी

अटल जी को मात्र 13 दिन में ही प्रधानमंत्री पद से देना पड़ा था इस्तीफा

तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर संसद में हंगामा मचा हुआ है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संसद में बवाल बढ़ने के बाद स्पीकर ने कार्यवाही को स्थगित कर दिया है। इस बीच पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के एक भाषण की खूब चर्चा हो रही है। यूजर्स इस भाषण को शेयर कर इमरान खान को सुनने की सलाह दे रहे हैं। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने आज ही अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग करवाने का आदेश दिया है। अगर ऐसा नहीं होता है तो नेशनल असेंबली के स्पीकर, डिप्टी स्पीकर और सत्तापक्ष के वक्ताओं में से किसी के भी खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

पाकिस्तानी यूजर अटल जी के भाषण की क्यों कर रहे तारीफ

इमरान खान के भारत की तारीफ करने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स

उन्हें निशाने पर लिए हुए हैं। उनका कहना है कि अगर इमरान खान भारत को अपना आदर्श मानते हैं तो उन्हें भारतीय राजनेताओं से सीखना चाहिए। वे अटल जी के 31 मई 1996 को संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर दिए गए भाषण की क्लिप को शेयर कर इमरान खान को देखने की सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि इमरान खान को इस भाषण को सुनकर खुद के दिल की आवाज सुननी चाहिए। इसमें अटल जी ने एक वोट कम होने के कारण अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया था।

अटल जी ने अपने चर्चित भाषण में क्या कहा था: 1996 के चुनाव के बाद 16 मई 1996 को अटल बिहारी वाजपेयी ने देश के 11वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन उनकी सरकार संसद में बहुमत पाने से मात्र एक वोट से पीछे रह गई। इस कारण अटल जी को मात्र 13 दिन में ही प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा था कि हमारा क्या अपराध है। हमें क्यों कठघरे में खड़ा किया जा रहा है? यह जनादेश ऐसे ही नहीं मिला है। हमने मेहनत की है, इसके पीछे वर्षों का संघर्ष है, साधना है। हम देश सेवा कर रहे हैं वो भी निस्स्वार्थ भाव से और पिछले 40 सालों से ऐसे ही करते आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक–एक सीटों वाली पार्टियां कुकुरमुत्ते की तरह उग आती हैं। राज्यों में आपस में लड़ती हैं। दिल्ली में आकर एक हो जाती हैं। हम देश की सेवा के कार्य में जुटे रहेंगे। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि जो कार्य हमने अपने हाथों में लिया है, उसे पूरा किए बिना विश्राम नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देने जा रहा हूं।

इमरान खान की विदाई तयः प्रधानमंत्री इमरान खान को सत्ता से हटाने के लिए विपक्षी दलों को 342 सदस्यीय सदन में 172 सदस्यों की आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने इससे अधिक संख्या का पहले ही समर्थन दिखा दिया है। अब इमरान खान पाकिस्तान के इतिहास में पहले ऐसे प्रधानमंत्री हो सकते हैं, जिन्हें अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा।

भारत इतना पसंद है तो पाकिस्तान को छोड़ वहीं चले जाए इमरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग– नवाज की नेता मरियम नवाज ने भारत की तारीफ करने पर प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम इमरान को किसी और ने नहीं बल्कि उनकी अपनी पार्टी ने घर भेजा है। अगर उन्हें भारत इतना पसंद है तो वे पाकिस्तान को अकेला छोड़कर वहीं क्यों नहीं चले जाते।

वहीं, विपक्ष के नेता और नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने आरोप लगाया है कि इमरान खान अवाम से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता से चिपके रहने वाला व्यक्ति स्वाभिमानी नहीं बल्कि स्वार्थी होता है।

दरअसल, एक दिन पहले ही इमरान खान ने अवाम को संबोधित करते हुए भारत की शान में कसीदे पढ़े थे। इमरान ने कहा था कि भारत हमारे साथ ही आजाद हुआ था। भारत से मुझे काफी इज्जत और प्यार मिला है। मुझे बहुत अफसोस है कि आरएसएस की विचारधारा और कश्मीर में जो किया उसके कारण हमारे रिश्ते अच्छे नहीं हैं। भारत खुद्दार कौम है, कभी किसी की जुर्रत नहीं है कि वहां ऐसी बात करें। किसी सुपर पावर की हैसियत नहीं है। भारत अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीदने जा रहा है।

शाह महमूद कुरैशी ने माना विदेश मंत्री के तौर पर उनका आखिरी दिन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर शनिवार को मतदान कराया गया। सरकार की कोशिश है कि विदेशी साजिश पर चर्चा हो जबकि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग चाहता है। नेशनल असेंबली की कार्यवाही में इमरान खान शामिल नहीं हुए हैं। दोपहर तीन बजे नेशनल असेंबली की दोबारा कार्यवाही शुरू हुई। शाह महमूद कुरैशी ने अपनी तकरीर में माना कि आज उनका विदेश मंत्री के तौर पर आखिरी दिन है। लेकिन आज देश की जनता को ये तय करना होगा वो सिर उठाकर जीना चाहती है या फिर सिर झुकाकर जीना चाहती है। अपनी तकरीर में उन्होंने अमेरिका पर भी सवाल उठाए।

अमेरिकी डिप्टी एनएसए ने भारत को नहीं दी थी कोई धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। रूस से तेल खरीदने पर भारत को धमकाने के बाद अमेरिका ने अब सफाई दी है। वाइट हाउस ने कहा कि रूसी पाबंदियों पर बाइडेन प्रशासन के मुख्य शिल्पकार भारतीय मूल के दलीप सिंह ने नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत को कोई चेतावनी नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि दलीप सिंह ने रूस से तेल आयात को लेकर भारतीय पक्ष के साथ सकारात्मक वार्ता की थी। वाइट हाउस ने इसके साथ यह भी कहा कि भारत, रूस की तुलना में अमेरिका से अधिक ऊर्जा आयात करता है। दलीप सिंह ने भारत को धमकी देते हुए कहा

भारत की नाराजगी से बचना चाहता है अमेरिका

था कि चीन के खिलाफ अमेरिका ही उसकी मदद करने आएगा। वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दलीप सिंह की हाल की भारत यात्रा के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मैं उसे चेतावनी की श्रेणी में नहीं रखूंगी। राष्ट्रपति जो बाइडेन के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सिंह को यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध को लेकर रूस पर आर्थिक पांबदियां निर्धारित करने वाला शिल्पी माना जाता है। दलीप सिंह ने कहा था कि अगर चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करता है तो भारत को यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि रूस उसकी मदद के लिए आगे आएगा।

अमेरिकी डिप्टी एनएसए के इस बयान को यूक्रेन–रूस युद्ध में भारत की तटस्थता के कारण बाइडेन प्रशासन की तिलमिलाहट के तौर पर देखा गया था। यही कारण है कि अमेरिका ने भारत को रूस की जगह अपने देश से तेल और गैस की आयात करने का ऑफर दिया था। लेकिन इतिहास को देखें तो अमेरिका के साथ पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उसने हमेशा पाकिस्तान का साथ दिया है। एशिया के कई इलाकों में अमेरिकी सेना तैनात है, लेकिन चीन के खिलाफ उसे भारत के साथ की जरूरत काफी ज्यादा है।

भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी को अहम मानते हैं बाइडन– व्हाइट हाउस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए अमेरिका की भारत के साथ साझेदारी अहम रिश्तों में से एक है। स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने यह बात कही। दो दिन बाद ही 11 अप्रैल को भारत और अमेरिका के बीच होने वाली टू प्लस टू वार्ता को लेकर जानकारी देते हुए साकी ने अमेरिका के लिए भारत की अहमियत को बताया। 11 अप्रैल को होने वाली यह वार्ता रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री स्तरीय है। इसके लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका जाएंगे और इस वार्ता में हिस्सा लेंगे। प्रेस सेक्रेटरी ने कहा कि राष्ट्रपति को उम्मीद है कि इस वार्ता से भारत के साथ अमेरिका के काम तो जारी रहेंगे ही साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा लक्ष्यों का भी विकास होता रहेगा। जेन साकी ने यह भी कहा, श्हमें लगता है कि यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई व बढ़ती महंगाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच आपसी समन्वय जारी रहेगा।